हरिभूमि
विराट भूमि
शहडोल | बुढ़ार | धनपुरी | ब्यौहारी | जयसिंहनगर | बाणसागर
जबलपुर, बुधवार 11 मार्च 2026
login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

आज से जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

शहडोल। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान अंतर्गत स्थानीय पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 11 मार्च को प्रातः 10:30 बजे से एक दिवसीय जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन महात्मा गांधी स्टेडियम शहडोल में किया जाएगा।

27 साल की गुरु दक्षिणा का अपमान!

शहडोल। मध्य प्रदेश के शिक्षा विभाग ने एक ऐसा आत्मघाती फरमान जारी किया है, जिसने बरसों से स्कूलों को सींचने वाले शिक्षकों की रातों की नींद उड़ा दी है। 27 साल तक बच्चों का भविष्य गढ़ने वाले गुरुओं को अब खुद पात्रता परीक्षा पास करने का तुगलकी आदेश थमा दिया गया है। विभाग के इस रिवर्स गियर वाले फैसले से प्रदेश भर के हजारों शिक्षकों में उबाल है। सवाल खड़ा हो रहा है कि क्या दो दशकों का अनुभव अब शून्य माना जाएगा?

नियमों की धज्जियां उड़ाकर थोपा गया आदेश - शिक्षक संगठनों ने इस आदेश को सेवा नियमों की हत्या करार दिया है। संजीव त्रिपाठी, श्यामनारायण पाठक और विजय कृष्ण मिश्रा जैसे शिक्षक नेताओं का कहना है कि 1997, 1998 और 2008 के भर्ती नियमों में कहीं भी इस परीक्षा का जिक्र नहीं था। अब रिटायरमेंट के करीब पहुंच चुके शिक्षकों पर नई शर्त थोपना न केवल अनैतिक है, बल्कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की भी खुली अवहेलना है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय (सिविल अपील 2634/2013) साफ कह चुका है कि नियुक्ति के बाद सेवा शर्तों में बदलाव नहीं किया जा सकता।

शहडोल की सडक़ों पर उतरेगा शिक्षक आक्रोश - इस अन्याय के खिलाफ आर-पार की लड़ाई शुरू हो गई है। 13 मार्च को शहडोल सहित पूरे प्रदेश के जिला मुख्यालयों में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। रविंद्र शर्मा, सुरेंद्र सिंह परिहार, अमित तिवारी और शेषमणि सिंह परिहार सहित जिले के समस्त शिक्षकों ने हुंकार भरी है कि अगर संचालक लोक शिक्षण ने यह विवादित आदेश वापस नहीं लिया, तो चाक-डस्टर छोडक़र शिक्षक सडक़ों पर उतरने को मजबूर होंगे। शिक्षकों की एक ही मांग है कि सरकार इस आदेश को तुरंत रद्दी की टोकरी में डाले और सर्वोच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर करे। अब गेंद सरकार के पाले में है, देखना यह है कि वह गुरुओं का सम्मान बचाती है या विवाद को और हवा देती है।

जैतपुर से केशवाही तक जमीनी किलाबंदी शुरू!

शहडोल। आगामी सियासी जंग के लिए कांग्रेस ने शहडोल संभाग में अपनी बिसात बिछाना शुरू कर दिया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव और प्रदेश सह-प्रभारी डॉ. चंदन यादव ने जैतपुर, बुढ़ार, खैरहा और केशवाही ब्लॉक की समीक्षा बैठक में कार्यकर्ताओं के भीतर जोश भरते हुए साफ कर दिया कि अब ड्राइंग रूम की राजनीति नहीं, बल्कि खेत और खलिहान की राजनीति चलेगी। बैठक में संगठन की मजबूती को लेकर न केवल चर्चा हुई, बल्कि वार्ड और पंचायत स्तर की कमेटियों का कच्चा-चि_ा भी खंगाला गया।

ड्राइंग रूम नहीं, जमीन पर उतरें सिपाही- धनपुरी और बम्हौरी में आयोजित मैदानी बैठकों में डॉ. चंदन यादव के तेवर काफी सख्त नजर आए। उन्होंने मंडलम अध्यक्षों और सेक्टर प्रभारियों को दो टूक हिदायत दी कि संगठन की असली ताकत बूथ का कार्यकर्ता है। उन्होंने कहा कि यदि पंचायत और वार्ड स्तर पर कांग्रेस की पकड़ ढीली हुई, तो ऊपर की इमारत टिक नहीं पाएगी। उन्होंने पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनसंपर्क अभियान को रस्म अदायगी के बजाय मिशन की तरह चलाएं।

जनता की आवाज को बनाएं हथियार- संगठन प्रभारी और विधायक नारायण पट्टा ने कार्यकर्ताओं को हुंकार भरते हुए कहा कि कांग्रेस हमेशा आम आदमी की ढाल रही है। उन्होंने आह्वान किया कि हर कार्यकर्ता अपने क्षेत्र की समस्याओं को न केवल सुने, बल्कि उन्हें प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की नाक के नीचे ले जाकर पटके। जब तक हम जनता के दुख-दर्द के साझीदार नहीं बनेंगे, तब तक संगठन में धार नहीं आएगी।

एकजुटता ही सबसे बड़ी ताकत जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने बैठक की कमान संभालते हुए संगठन की गुटबाजी और सुस्ती को दरकिनार करने का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाना अब हर कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है।

मानव सेवा का बड़ा अवसर: शहडोल में लगेगा 'रोटरी राहत' मेगा स्वास्थ्य शिविर देश के नामी अस्पतालों के विशेषज्ञ डॉक्टर देंगे नि:शुल्क जांच, परामर्श और ऑपरेशन

शहडोल में मानव सेवा और स्वास्थ्य सुविधा को सशक्त बनाने के उद्देश्य से 'रोटरी राहत नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर' का भव्य आयोजन होने जा रहा है। आईटीआई परिसर में आयोजित होने वाले इस मेगा शिविर में देश के प्रतिष्ठित अस्पतालों के विशेषज्ञ चिकित्सक पहुंचकर मरीजों की जांच, परामर्श और आवश्यक ऑपरेशन नि:शुल्क करेंगे। शिविर का शुभारंभ प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल करेंगे। वर्षों बाद जिले में इस तरह का बड़ा स्वास्थ्य आयोजन हो रहा है, जिससे हजारों मरीजों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

शहडोल।

जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और जरूरतमंद लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शहडोल में 'रोटरी राहत निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर' का भव्य आयोजन किया जा रहा है। शासकीय आईटीआई परिसर, रीवा रोड में आयोजित होने वाले इस शिविर में देश के प्रतिष्ठित अस्पतालों के विशेषज्ञ डॉक्टर मरीजों की जांच, परामर्श और जरूरत पडऩे पर ऑपरेशन भी निः शुल्क करेंगे। शिविर का शुभारंभ मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल करेंगे। आयोजन की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं और जिला प्रशासन भी इसमें सक्रिय सहयोग कर रहा है। यह विशाल स्वास्थ्य शिविर राज्यसभा सांसद एवं सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक कृष्ण तन्खा के प्रयासों से आयोजित हो रहा है। इसमें रोटरी क्लब शहडोल, मण्डला मैकल और जबलपुर, राजकृष्ण तन्खा फाउंडेशन, चिरायु मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल भोपाल, लोक स्वास्थ्य चिकित्सा एवं शिक्षा विभाग मप्र शासन तथा जिला प्रशासन का सहयोग मिल रहा है।

रोटरी क्लब शहडोल के अध्यक्ष कृष्ण कुमार गुप्ता ने बताया कि शिविर की तैयारियों को लेकर कलेक्टर डॉ. केदार सिंह द्वारा लगातार बैठकें लेकर व्यवस्थाओं की समीक्षा की जा चुकी है, ताकि मरीजों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। कार्यक्रम संयोजक राजेश गुप्ता ने बताया कि शिविर में आधुनिक तकनीक के माध्यम से विभिन्न प्रकार की बीमारियों की जांच, परामर्श और आवश्यक ऑपरेशन निःशुल्क किए जाएंगे। जटिल मामलों में मरीजों को बड़े अस्पतालों में रेफर कर वहां भी उपचार की व्यवस्था की जाएगी।

देश के बड़े अस्पतालों के विशेषज्ञ देंगे सेवाएं

शिविर में देश के नामी चिकित्सा संस्थानों के विशेषज्ञ डॉक्टर अपनी सेवाएं देंगे। इनमें मेदांता मेडिसिटी गुरुग्राम, बॉम्बे हॉस्पिटल मुंबई, लीलावती हॉस्पिटल मुंबई, मणिपाल हॉस्पिटल नोएडा, चिरायु मेडिकल कॉलेज भोपाल, श्री नारायण हॉस्पिटल रायपुर और जबलपुर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के चिकित्सक शामिल हैं। चिरायु मेडिकल कॉलेज भोपाल की टीम डॉ. अजय गोयनका के नेतृत्व में तीनों दिन मौजूद रहेगी। वहीं मुंबई के बॉम्बे हॉस्पिटल और लीलावती अस्पताल से स्पाइन सुपर स्पेशलिस्ट डॉ. विशाल कुंदनानी भी शिविर में सेवाएं देंगे। इसके अलावा घुटना एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ. गिरीश देवानी, किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ. सयाली कोडाले, त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. राजेश कुमार, थायराइड विशेषज्ञ डॉ. नीपा वी सहित कई चिकित्सक मरीजों का उपचार करेंगे।

इन बीमारियों की होगी जांच और उपचार

शिविर में मेडिसिन, कैंसर, हड्डी रोग, स्त्री रोग, शिशु रोग, हृदय रोग, नेत्र रोग, दंत रोग, त्वचा रोग, छाती एवं श्वास रोग, कान-नाक-गला रोग और मानसिक रोग सहित कई सुपर स्पेशलिटी विभागों के विशेषज्ञ मरीजों की जांच करेंगे। मरीजों के लिए डिजिटल एक्स-रे, सोनोग्राफी, ईसीजी, ईको, आंखों की जांच, डायबिटीज जांच और फेफड़ों की जांच जैसी आधुनिक सुविधाएं भी उपलब्ध रहेंगी। जरूरत पडऩे पर छोटी और बड़ी सर्जरी भी की जाएगी।

ऑपरेशन के लिए पहले होगा रक्तदान

शिविर में संभावित ऑपरेशनों को ध्यान में रखते हुए जिला चिकित्सालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार ऑपरेशन के दौरान जरूरत पडऩे पर इस रक्त का उपयोग किया जाएगा। यदि रक्त शेष रहता है तो वह सिकलसेल मरीजों के उपचार में उपयोगी होगा।

समाजसेवियों और युवाओं से सहयोग की अपील

आयोजन समिति ने समाजसेवियों और युवाओं से इस सेवा कार्य में भागीदारी की अपील की है। व्यवस्थाओं में सहयोग करने वाले वालेंटियर को पहचान पत्र जारी किए जाएंगे। आयोजकों के अनुसार यह मानव सेवा का बड़ा अवसर है, जिसमें समाज का हर व्यक्ति सहभागी बन सकता है।

पहले भी हजारों लोगों को मिला था लाभ

कार्यक्रम संयोजक राजेश गुप्ता ने बताया कि इससे पहले आयोजित मेगा स्वास्थ्य शिविर में 31 हजार से अधिक लोगों ने पंजीयन कराकर उपचार कराया था और करीब 1700 ऑपरेशन किए गए थे। उसी सफलता को आगे बढ़ाते हुए इस बार भी हजारों मरीजों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

कानूनी पेचीदगियों के बीच रिश्तों में घुली होली की मिठास!

जज, वकील और कर्मचारियों ने एक-दूजे को सराबोर कर दिया सौहार्द के रंग में

शहडोल।

जहां दिन भर संगीन धाराओं और कानूनी दांव-पेचों की गूंज सुनाई देती है, वहां आज फिजा कुछ अलग ही थी। अपर जिला एवं सत्र न्यायालय बुढ़ार का परिसर मंगलवार को उस समय रंगोत्सव के उल्लास से सराबोर हो गया, जब न्याय के प्रहरियों ने आपसी गिले-शिकवे भुलाकर एक-दूसरे को अबीर और गुलाल से सराबोर कर दिया। यह आयोजन महज एक त्यौहार नहीं, बल्कि न्यायपालिका परिवार की अटूट एकजुटता का शंखनाद था।

काले कोट की गंभीरता पर भारी पड़ा रंगों का खुमार

समारोह का आगाज बेहद गरिमामय लेकिन उतने ही आक्रामक उत्साह के साथ हुआ। न्यायिक गलियारों में जब माननीय जिला न्यायाधीश, न्यायिक दंडाधिकारी और अधिवक्ता संघ के दिग्गज एक साथ आए, तो माहौल देखते ही बनता था। वरिष्ठ अधिवक्ताओं से लेकर न्यायालयीन कर्मचारियों तक, हर कोई एक ही रंग में रंगा नजर आया। अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष और सचिव ने स्पष्ट संदेश दिया कि मुकदमों की लड़ाई अपनी जगह है, लेकिन सामाजिक समरसता और भाईचारा हमारी पहली प्राथमिकता है।

सौहार्द्र का संदेश: न कोई छोटा, न कोई बड़ा

अपर जिला एवं सत्र न्यायालय बुढ़ार के इस होली मिलन ने यह साबित कर दिया कि व्यस्ततम कार्यशैली के बीच भी रिश्तों की गर्माहट को जिंदा रखना अनिवार्य है। हवा में उड़ते गुलाल के साथ ही आपसी सहयोग और सहयोग की भावना को और भी मजबूती मिली। कार्यक्रम में मौजूद हर शख्स ने एक सुर में कहा कि ऐसे आयोजनों से काम का तनाव कम होता है और कार्यक्षमता में धार आती है। इस ऐतिहासिक रंगोत्सव की सुखद स्मृतियां अब भी बुढ़ार के कानूनी गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई हैं। उपस्थित जनों ने संकल्प लिया कि भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजनों के जरिए न्याय परिवार की नींव को और भी ठोस बनाया जाएगा।

अधाधुंध केमिकल के छिड़काव पर लगाम नेचुरल बैक्टीरिया से सुधरेगी मिट्टी की सेहत

शहडोल।

खेती में रसायनों के जहर ने मिट्टी की कोख को सुखा दिया है। अब समय आ गया है कि किसान पारंपरिक भेड़चाल छोडक़र विज्ञान और प्रकृति के संगम को अपनाएं। ग्राम चटहा में कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा आयोजित चना फसल प्रक्षेत्र दिवस में वैज्ञानिकों ने दो टूक शब्दों में किसानों को हकीकत से रूबरू कराया।

केमिकल नहीं, जीवाणु हैं असली खाद

केवीके के वैज्ञानिक डॉ. ब्रजकिशोर प्रजापति ने दो टूक कहा कि अगर मिट्टी की उर्वरा शक्ति बचानी है, तो प्राकृतिक जीवाणुओं का दामन थामना ही होगा। उन्होंने बताया कि जैव उर्वरक हवा से नाइट्रोजन खींचकर सीधे पौधों की जड़ों तक पहुंचाते हैं। जो फास्फोरस जमीन में जम चुका है, उसे ये बैक्टीरिया घोलकर पौधों को परफेक्ट डाइट देते हैं।

कीटों के काल हैं ये जैविक हथियार

चने की फसल को तबाह करने वाले फली छेदक कीट के लिए अब जहरीली दवाओं की जरूरत नहीं है। डॉ. प्रजापति ने आक्रामक रणनीति साझा करते हुए कहा कि किसान फेरोमोन ट्रैप से निगरानी करें और जैसे ही 5-6 नर कीट दिखें, तुरंत न्यूक्लियर पॉलीहेड्रोसिस विषाणु और नीम के तेल का वार करें। खेतों में 'टी' आकार की खूंटियां गाड़ें ताकि शिकारी पक्षी कीटों का काम तमाम कर सकें।

नैनो-यूरिया और जल संरक्षण

वैज्ञानिक दीपक चौहान ने सिंचाई में हो रही पानी की बर्बादी पर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि कच्ची नालियों से 40 प्रतिशत पानी बर्बाद करना सीधे तौर पर आर्थिक आत्महत्या है। किसानों को अब बूंद-बूंद सिंचाई और फव्वारा तकनीक अपनानी ही होगी। साथ ही, नैनो-डीएपी जैसी आधुनिक तकनीक का जिक्र करते हुए बताया गया कि मात्र 5 मिली नैनो डीएपी एक किलो बीज के लिए काफी है, जो रसायनों पर निर्भरता को जड़ से खत्म कर देगा।

जनसुनवाई में कलेक्टर और कमिश्नर के सामने शिकायतों का सैलाब

साहब! कब तक काटेंगे दफ्तरों के चक्कर?

लापरवाह अफसरों को समय-सीमा का अल्टीमेटम

शहडोल।

सरकारी दफ्तरों की चौखट घिस चुके फरियादियों का सब्र एक बार फिर जनसुनवाई में फूट पड़ा। मंगलवार को कलेक्ट्रेट के सोन सभागार और कमिश्नर कार्यालय में शिकायतों का ऐसा अंबार लगा कि आला अधिकारियों को भी मैदानी अमले की सुस्ती पर कड़े तेवर दिखाने पड़े। दूर-दराज के गांवों से आए ग्रामीणों की आंखों में उम्मीद और व्यवस्था के प्रति आक्रोश साफ झलक रहा था।

कलेक्ट्रेट: कहीं बिजली का संकट, कहीं अवैध कब्जों की मार

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की मेज पर शिकायतों की लंबी फेहरिस्त पहुंची। चौरीडीह के रामलखन पटेल ने ट्रांसफार्मर के लिए गुहार लगाई, तो हर्री के ओम प्रकाश यादव ने दबंगों द्वारा किए जा रहे अवैध निर्माण पर तत्काल रोक की मांग कर प्रशासन को चुनौती दी। वहीं, मिठौरी के अवधेश प्रताप सिंह ने धान बोनस की रुकी राशि का मुद्दा उठाकर सिस्टम की पोल खोल दी। आयुष्मान कार्ड से लेकर नक्शा सुधार और पेंशन जैसे बुनियादी हकों के लिए भटकते चेहरों को देख कलेक्टर ने कड़ा रुख अपनाते हुए संबंधित अधिकारियों को दो टूक निर्देश दिए।

कमिश्नर कार्यालय: वेतन से लेकर अतिक्रमण तक की जंग

इधर, कमिश्नर कार्यालय में श्रीमती सुरभि गुप्ता के सामने संभाग भर के पीड़ितों ने अपनी व्यथा रखी। अनूपपुर के गुलाब साकेत ने 7वें वेतनमान और एरियर के लिए सालों के इंतजार का दर्द बयां किया, तो उमरिया के रामभजन ने तालाब की सरकारी जमीन को भू-माफियाओं के चंगुल से छुड़ाने की मांग की। सोहागपुर की नूरजहां ने बंद रास्ते को खुलवाने के लिए आक्रामक पैरवी की। कमिश्नर ने मामले की गंभीरता को देखते हुए साफ किया कि समय-सीमा के भीतर निराकरण न करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। जनसुनवाई में उमड़ी यह भीड़ इस बात का सबूत है कि निचले स्तर पर बैठे बाबुओं और अफसरों ने जनता के काम रोकने की कसम खा रखी है।

जिला न्यायालय में फाग गायन के साथ गुलाल लगाकर मनाया होली का पर्व

जिला न्यायालय में होली मिलन समारोह आयोजित

शहडोल।

जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर में जिला अधिवक्ता संघ के तत्वावधान ने होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया । इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश केएन सिंह, प्रधान न्यायाधीश कुटुंब शशि भूषण शर्मा, प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश कमलेश कोल, प्रथम जिला न्यायाधीश केपी सिंह, सीजेएम राजेंद्र सिंह सिंगार, न्यायिक मजिस्ट्रेट रुपेंद्र सिंह मंडावी, विशेष न्यायाधीश दीपाली शर्मा , न्यायिक मजिस्ट्रेट सीताशरण यादव, द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश दीप्ति चौहान, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम अदिति कुमार शर्मा, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम प्रीति सिंह बघेल एवं अदिति शर्मा, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राकेश सिंह बघेल मंचासीन रहे।

कार्यक्रम प्रारंभ सभी न्यायाधीश गणों एवं अधिवक्ताओं को गुलाल लगाकर किया । वरिष्ठ अधिवक्ता रवींद्र श्रीवास्तव, खूब चंद्र अग्रवाल, राम विष्णु गुप्ता अजय नामदेव, गोपाल प्रसाद निगम, मंजुला तिवारी, अंजुला सिंह , आशा पाण्डेय ने समारोह में उपस्थित सभी न्यायाधीशों को गुलाल लगाकर स्वागत किया। अधिवक्ता आयुष मिश्रा, अजय सिंह बघेल ने उपस्थित अधिवक्ताओं को गुलाल का टीका लगाया । इस अवसर पर अधिवक्ताओं को सम्बोधित करते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश केएन सिंह ने सभी अधिवक्ताओं को रंगों के पर्व होली की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि पर्व हम सबके जीवन में खुशियां लाने का कार्य करते है। जिससे समाज में वैमनस्यता दूर कर भाईचारा बना रहे । विशेष न्यायाधीश दीपाली शर्मा ने कहा कि न्यायिक व्यवस्था पर पूर्ण विश्वास रखते हुए हमें विधि द्वारा दिए गए अधिकारों को समझना चाहिए। होली पर्व सभी के लिए मंगलमय हों । जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राकेश सिंह बघेल ने कहा कि हमारे कार्यों से ही हमारी पहचान होती है। होली का पर्व भी हमें यही सिखाता है कि सब मिल कर रहे और एक दूसरे के सुख दुख को पहचाने। होली मिलन समारोह के अवसर पर आकाशवाणी की कलाकार एवं उद्घोषक सुरसरी मिश्रा ने होली गीत प्रस्तुत किया। कुबेर शुक्ला एडवोकेट एवं उनके ग्रामीण साथियों ने होली के फाग गीतों से समा बांध दिया। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन जिला अधिवक्ता संघ के उपाध्यक्ष सतीश पाठक ने किया । कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ अधिवक्ता गिरीश श्रीवास्तव ने किया । कार्यक्रम में जिला अधिवक्ता संघ के सचिव अनिल कुमार तिवारी, सहसचिव राकेश गोले, कोषाध्यक्ष गगन वर्मा, कार्यकारिणी सदस्य राकेश जायसवाल, पीडी गुप्ता, देवेश मिश्रा, पुष्पेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता गण उपस्थित रहे ।

जल-गंगा अभियान को बनाएं जन-आंदोलन: विवेक पाण्डेय जन्मदिन और सालगिरह पर सेल्फी नहीं, पौधारोपण कर पेश करें मिसाल

शहडोल। सरकारी योजनाओं की फाइलें अब दफ्तरों में नहीं, सीधे हकदार की चौखट पर दस्तक देंगी। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद ने कमर कस ली है कि कोई भी पात्र हितग्राही लाभ से वंचित न रहे। जयसिंहनगर जनपद सभागार में आयोजित प्रस्फुटन समितियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में परिषद के जिला समन्वयक विवेक पाण्डेय ने स्पष्ट और कड़े शब्दों में कहा कि योजनाओं का क्रियान्वयन महज कागजी खानापूर्ति नहीं, बल्कि सेवा का संकल्प होना चाहिए।

19 मार्च से पानी के लिए महायुद्ध- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर 19 मार्च से 30 जून 2026 तक चलने वाले जल गंगा संवर्धन अभियान को लेकर श्री पाण्डेय ने आक्रामक रुख अपनाते हुए कहा कि जल की एक-एक बूंद सहेजना अब विकल्प नहीं, बल्कि मजबूरी है। उन्होंने समितियों को चेताया कि इस अभियान में केवल उपस्थिति दर्ज कराने के बजाय उत्साह और एकजुटता के साथ जमीन पर उतरकर काम करें।

दिखावा छोड़ें, यादें पौधों में बसाएं- प्रशिक्षण में व्यक्तिगत जिम्मेदारी पर चोट करते हुए जिला समन्वयक ने कहा कि जन्मदिन और शादी की सालगिरह जैसे मौकों पर फिजूलखर्ची के बजाय पौधारोपण कर उन पलों को यादगार बनाएं। इस दौरान नवांकुर योजना के प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र सौंपकर उनकी जवाबदेही तय की

खबर संक्षेप

प्रभारी मंत्री का भ्रमण कार्यक्रम

उमरिया। प्रदेश के अनुसूचित जाति कल्याण तथा जिला प्रभारी मंत्री नागर सिंह चौहान एक दिवसीय भ्रमण पर 12 मार्च को उमरिया आयेंगे।श्री चौहान 11 मार्च को इंदौर बिलासपुर से इंदौर से प्रस्थान कर 12 मार्च को प्रातः 8.30 बजे उमरिया रेल्वे स्टेशन पहुंचेगे जहां से सर्किट हाउस उमरिया के लिए रवाना होगे। श्री चौहान प्रातः 10.30 बजे जिला कोर कमेटी की बैठक सर्किट हाउस में लेंगे। दोपहर 1 बजे ग्राम पंचायत गोपालपुर में अटल पंचायत सेवा सदन नवीन पंचायत भवन का लोकार्पण करेंगे तथा खंड स्तरीय संकल्प से समाधान शिविर के समापन कार्यक्रम तथा बोरी बंधान कार्यक्रम में भाग लेंगे।श्री चौहान सायं 4.30 बजे उमरिया से भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला मूल्यांकन समिति की बैठक संपन्न

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में जिला मूल्यांकन समिति की बैठक संपन्न हुई । बैठक में बताया गया कि उमरिया गाइड लाइन संपदा एप्लीकेशन 2.0 से प्राप्त गाईडलाईन एनालिसिस डाटा अनुसार कुल प्राप्त लोकेशनों की संख्या 846 है। वित्तीय वर्ष 2025-26 से कुल लोकेशन 846 मे से 23 लोकेशन डिलीट कर वित्तीय वर्ष 2026-27 मे कुल लोकेशनो की संख्या घटकर 823 हो गई हैं। प्रस्ताावित वृध्दि लोकेशनों की संख्य 380 है जो कि कुल गाइड लोकेशन की दर 46.34 प्रतिशत लोकेशनो में वृध्दि हेतु प्रस्तावित है। बैठक में जिले की विभिन्न लोकेशनों पर 5 प्रतिशत से लेकर 60 प्रतिशत तक की वृध्दि किया जाना प्रस्तावित किया गया। बैठक में जनपद पंचायत अध्यक्ष करकेली प्रियंका मून सिंह,वनमंडलाधिकारी विवेक सिंह,जिला पंजीयक पंकज कोरी,उप पंजीयक आशीष श्रीवास्तव,कार्यपालन अभियंता जल संसाधन, सीएमओ किशन सिंह समिति के सदस्य उपस्थित रहे ।

कलेक्टर ने 55 आवेदन पत्रों में की सुनवाई

अनूपपुर। जिला स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में आयोजित किया गया। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने 55 आवेदनों पर जनसुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी, अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पुष्पराजगढ़ वसीम अहमद भट्ट, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनूपपुर कमलेश पुरी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जैतहरी सतीश वर्मा, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोतमा टी. आर. नाग, डिप्टी कलेक्टर सुश्री प्राशी अग्रवाल, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारीगणों ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई के दौरान तहसील अनूपपुर के ग्राम बम्हनी निवासी रामशिरोमणि पटेल ने वृद्धावस्था पेंशन दिलाए जाने, तहसील अनूपपुर के चचाई निवासी इफ्तेखार अहमद अंसारी ने नामांतरण किए जाने, तहसील अनूपपुर के ग्राम कांसा निवासी गुलाब यादव ने सगरा तालाब से अतिक्रमण हटाए जाने, तहसील अनूपपुर के ग्राम बरबसपुर निवासी श्रीमती नत्थी बाई ने हाथी द्वारा मकान क्षतिग्रस्त करने पर मुआवजा राशि प्रदाय किए जाने के संबंध में आवेदन दिए। इसके अतिरिक्त अन्य आवेदकों द्वारा समग्र आईडी में सुधार, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ प्रदान किए जाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किए गए।

बी एम ओ के संरक्षण में संचालित नियम विरुद्ध पैथोलॉजी

मरीजों की जिंदगी भगवान के रहमों करम पर

कटघरे में अधिकारियों की कार्य प्रणाली

ग्रामीण क्षेत्र में इन दिनों प्रतिदिन सैकड़ो मैरिज अवैध पैथोलॉजी के जाल में फंसकर आर्थिक शोषण का शिकार हो रहे हैं अवैध पैथोलॉजी के कारोबार से समाज के नामी ग्रामीण लोग भी शामिल हैं, लिहाजा उनके खिलाफ प्रशासन कार्रवाई करने से कतराता है मरीजों की जिंदगी पूरी तरह भगवान के रहमों करम पर निर्भर है।

उमरिया। जिले में एक तरफ जहां सबसे मानपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का हाल बेहाल है वहीं दूसरी तरफ झोलाछाप डॉक्टरों की वजह से मरीजों की जान आफत में है ना केवल डॉक्टर बल्कि पैथोलॉजी और एकसरे का बोर्ड लगाकर पूरे ताला बांधवगढ़ में फर्जीवाड़े का खेल चल रहा है, झुग्गी झोपडियों तक में डॉक्टर के बोर्ड लगे हुए हैं जहां मरीजों का आर्थिक शोषण जारी है ताला मुख्यालय में ही खून जांच सहित अन्य जांचों के नाम पर टैक्निशियनो ने दुकान खोल रखी है।

मरीजों पर आर्थिक दबाव

उप स्वास्थ्य केंद्र ताला के बस स्टैंड स्थित पेट्रोल पंप के आगे प्रतिमा पैथोलॉजी चिकित्सकों के सहारे चल रही अधिकांश चिकित्सक मरीज को रक्त या अन्य जांच करने के लिए मजबूर कर देते हैं जहां जरूरत ना हो वहां भी पैथोलॉजी जांच करना अब चिकित्सकों की आदत बन गई है जिसका आर्थिक दबाव मरिज

पर पड़ता है मानपुर जनपद मुख्यालय से लगे ताला बांधवगढ़ में रायबहादुर यादव नामक व्यक्ति द्वारा प्रतिमा पैथोलॉजी का संचालन कर रहे हैं और तो और मेडिकल के सहारे प्रेक्टिस कर नियमों की विरुद्ध लैब संचालित हो रहा है जबकि जिम्मेदार जानकर भी अनजान हैं।

किराए की डिग्री

स्वास्थ्य विभाग ने जिले में संचालित पैथोलॉजी लैबों की खुली छूट दे रखी है, सुप्रीम कोर्ट के नए नियम के अनुसार पैथोलॉजी लैब चलाने के लिए अब सिर्फ एमडी पैथोलॉजिस्ट ही मानय होंगे, लेकिन इसके उलट बी-फार्मा व गायनोकोलॉजी डिग्री वाले लैब चला रहे हैं, सूत्रों की माने तो कथित लैब संचालक द्वारा लगाई गई डॉक्टर की डिग्री किराए पर लेकर संचालित की जा रही है, खबर है कि उक्त डाक्टर की डिग्री के द्वारा कई पैथोलॉजी संचालित हो रही है।

यह कहती है गाइडलाइन

मध्य प्रदेश शासन व इंडियन मेडिकल काउंसिल के नियमों व प्रावधानों के अनुसार नियमानुसार पैथोलॉजी लैब का संचालन नहीं करने पर संचालकों पर एफआईआर करने के साथ कानूनी धाराएं लगाकर कार्यवाही करने का प्रावधान है वहीं सुप्रीम कोर्ट और मेडिकल काउंसिल के अनुसार मेडिकल साइंस में विशेषज्ञ भी वही कहलाएगा जो एमबीबीएस के बाद पीजी डिग्री या डिप्लोमाधारी हो स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर अवैध लैब को प्रतिबंधित करने कितने कारगर कदम उठाए गए हैं यह लैबों के संचालन तथा विभाग के दस्तावेजों को देखकर सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

जिम्मेदार मीटिंग में व्यस्त

मानपुर जनपद मुख्यालय से लगे ताला बांधवगढ़ ग्रामीण अंचलों में नियमों की विपरीत पैथोलॉजी का संचालन हो रहा है, इसके अलावा झोलाछाप सहित अन्य किसी बात को लेकर स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार जवाब देने से बचने के नए-नए बहाने निकालते रहते हैं, जहां एक और मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी को जानकारी देने की कोशिश की गई लेकिन उनके द्वारा फोन उठाना उचित नहीं समझा गया।

कलेक्टर ने किया पांच दिवसीय भूकंप आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण का शुभारंभ

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने स्वर्णिम होटल में आयोजित पांच दिवसीय भूकंप आपदा जोखिम प्रबंधन एवं ध्वस्त संरचना, खोज एवं बचाव अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए कहा कि आपदा प्रबंधन संस्थान भोपाल एवं जिला प्रशासन के तत्वाधान में आपदा प्रबंधन पर प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है । उन्होने कहा कि आपदा विभिन्न प्रकार की होती हैं, जिसमें सूखा पडऩा, आगजनी होना,भूकंप आना आदि शामिल हैं।प्रशिक्षण के माध्यम से आपदा के समय, आपदा के बाद ,आपदा के दौरान क्या कार्यवाही की जानी है, के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी जाएगी। उन्होने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान बताई जा रही बातों को अक्षरशः सुनते हुए आपदा के समय उसका पालन करें।

प्रशिक्षण में डा अरूणेंद्र सिंह , डा मनीष मिश्रा व्दारा भूकंप का परिचय,भूकंप आने के कारण,बचाव तकनीक, भारत एवं मध्यप्रदेश मे भूकंप कि स्थिति,ऋषभ शुक्ला एवं राहुल कुमार साहू व्दारा भूकंप रोधी संरचना,ध्वस्त संरचना,खोज एवं बचाव,डा आर एल व्दिवेदी,डा रूहेला व्दारा सीपीआर,फरुट एड, खुले एवं बंद घाव,टर्मिकेटिंग स्प्लिट एवं बर्न ट्रीटमेंट, सूबेदार अमित विश्वकर्मा, सूबेदार शरद श्रीवास्तव व्दारा आपदा के दौरान भीड़ नियंत्रण तथा अशोक गुप्ता, राहुल कुमार साहू व्दारा आग,प्रकार,बचाव, अग्निशमन के उपयोग के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के दौरान संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी,एसडीएम बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह,एसडीएम पाली मीनाक्षी इंगले,सीईओ करकेली ऋषभ शुक्ला सहित तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं पटवारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में 60 आवेदको की सुनी समस्याएं

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम में जिले के दूर दराज क्षेत्रों से आए 60 आवेदकों की समस्याओं को सुना तथा समस्याओं के निराकरण के लिए आवेदन संबंधित विभाग की ओर प्रेषित किया । जनसुनवाई में अर्जुन सिंह बंधवाटोला ने विवाह सामाजिक सुरक्षा सहायता की राशि दिलाने,नीलू साहू ग्राम बिलासपुर ने पुत्र ऋषभ का विकलांगता प्रमाण पत्र बनवाने,कमलेश बैगा ग्राम देवरी ने मृतक राज कुमार की मौत होने पर सहायता राशि दिलाने,धर्मदास सिंह ग्राम कुठुलिया ने दोबारा फौती नामांतरण कराने,राघवेन्द्र सिंह ग्राम डोंगरीटोला ने सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने, निजी कृषि भूमि तक मार्ग दिलाए जाने,धमेन्द्र कुमार राय ग्राम बरबसपुर ने एक वर्ष से रूकी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि राशि दिलाने,सीमा कोल पाली ने लाडली बहना योजना का लाभ दिलाने संबंधी आवेदन किया । जनसुनवाई में अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे ।

14 मार्च को नवभारत साक्षरता परीक्षा

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत 14 मार्च को प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक मूल भूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता मूल्यांकन परीक्षा आयोजित होगी। परीक्षा के लिए 263 परीक्षा केंद्र बनाए गए है जिसके माध्यम से 25640 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होगे।उन्होने बताया कि परीक्षा तीन घंटे कि होगी । परीक्षा तिथि मे परीक्षार्थी अपनी सुविधानुसार परीक्षा केंद्र में आ सकते है। नवसाक्षरो को परीक्षा केंद्र तक लाने मे अक्षर साथी, सामाजिक संस्थाओ,वरिष्ठ नागरिको,एन एस एस,एन सी सी,भारत स्काउट गाइड, नेहरू युवा केंद्र,जन शिक्षण संस्थान के छात्र छात्राएं एवं अन्य का सहयोग लिया जा सकता है। उन्होने बताया कि ऐसे नव साक्षर जो शिक्षार्थी सर्वे के द्वारा असाक्षर के रूप में चिन्हांकित किया गया हो तथा अक्षर साथियों के द्वारा नामांकन किया जाकर राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण द्वारा आईपीसीएल पद्वति से तैयार की गई उल्लास-अक्षर पोथी प्रवेशिका से अध्ययन कार्य किया हो। पूर्व के नवसाक्षर जो साक्षरता कार्यक्रम के अन्तर्गत संचालित कक्षाओं में वो शिक्षार्थी जिन्होंने प्रवेशिका पूर्ण कर अंतरिम मूल्यांकन में सफलता अर्जित की हो किंतु प्रमाण-पत्र प्राप्त नहीं किया जा सका हो, वे इस मूल्यांकन परीक्षा में शामिल किए जा सकते हैं।ऐसे व्यक्ति जो पूर्व से शिक्षित है किंतु उनके पास किसी प्रकार का शैक्षणिक प्रमाण-पत्र न व्यक्ति को प्रमाणीकरण हेतु मूल्यांकन परीक्षा में शामिल किया जा सकता है। पूर्व की परीक्षाओं में जिन परीक्षार्थी के परीक्षा परिणाम में सुधार की आवश्यकता है। उन्हे मूल्यांकन परीक्षा में शामिल कराया जावे।

जमुना खदान के पास जंगल में भीषण आग

बदरा/जमुना। कोतमा वन परिक्षेत्र अंतर्गत जमुना खदान के पास मंगलवार को जंगल में भीषण आग लगने से हजारों छोटे पेड़-पौधे, झाड़ियां तथा वन्य जीव-जंतुओं को भारी नुकसान पहुंचा। सुबह लगी आग धीरे-धीरे जंगल के कई हिस्सों में फैल गई, जिससे वन क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना वन विभाग को दी, लेकिन कई घंटे तक जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंच सके। बाद में बीट गार्ड मनोज चौधरी अपने एक साथी के साथ मौके पर पहुंचे और घंटों मशक्कत कर आग पर काबू पाने का प्रयास करते नजर आए। बताया जा रहा है कि वन क्षेत्र में नियमित गश्त नहीं होने के कारण आए दिन जंगलों में आग लगने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। आग के कारण जंगल की हरियाली नष्ट होने के साथ-साथ पर्यावरण और वन्य जीवों पर भी गंभीर असर पड़ रहा है। बीट गार्ड मनोज चौधरी ने बताया कि इन दिनों महुआ फूल चुनने के लिए ग्रामीण जंगल में आते हैं और पेड़ों के आसपास जमा खरपतवार साफ करने के बजाय उसमें आग लगा देते हैं, जिससे आग तेजी से फैल जाती है। वहीं रेंजर हरीश तिवारी ने कहा कि कई बार असामाजिक तत्व जंगल से गुजरते समय बीड़ी सुलगाकर फेंक देते हैं, जिससे भी आग लग जाती है। उन्होंने कहा कि जंगलों से खिलवाड़ नहीं करना चाहिए, क्योंकि यही हमारे जीवन और आजीविका का महत्वपूर्ण आधार हैं।

हर साल गर्मियों में बनती है ऐसी स्थिति

जंगलों में आग लगने की घटनाएं लगभग हर साल गर्मी के मौसम में सामने आती हैं, लेकिन इसके बावजूद वन विभाग द्वारा पहले से कोई ठोस तैयारी या कार्ययोजना नहीं बनाई जाती। आग लगने के बाद उसे बुझाना बेहद कठिन हो जाता है और तब तक जंगल के बड़े हिस्से को नुकसान हो चुका होता है। विशेषज्ञों का मानना है कि गर्मी शुरू होने से पहले ही फायर लाइन बनाना, नियमित गश्त बढ़ाना और ग्रामीणों को जागरूक करना जरूरी है, ताकि जंगलों को आग से बचाया जा सके और पर्यावरण को होने वाले नुकसान को रोका जा सके।

भाजपा मंडल पसान की कार्यकारिणी घोषित, नए चेहरों को मिला मौका

कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल

बदरा/जमुना। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, शहडोल भाजपा संभागीय प्रभारी गौरव सिरोठिया एवं जिला प्रभारी संजय साहू के मार्गदर्शन में जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम के अनुमोदन के बाद मंडल अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह मिंटू ने 10 मार्च को पसान मंडल कार्यकारिणी की घोषणा कर दी। नई कार्यकारिणी में युवा एवं नए चेहरों को प्रमुख जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। मंडल उपाध्यक्ष पद पर विनोद त्रिपाठी, रामानुज कुमार, कैसर अली, मानसिंह, सचिन जायसवाल एवं पंकज मिश्रा को नियुक्त किया गया। महामंत्री के रूप में शिवभान सिंह एवं अजय यादव, जबकि मंडल मंत्री पद पर पुरुषोत्तम सिंह, शकुन पनिका, दिवाकर विश्वकर्मा, भारत सिंह, अभिषेक सिंह विक्की एवं श्रीमती सरोज लोधी को स्थान दिया गया। कोषाध्यक्ष इंद्र लाल केवट, सह-कोषाध्यक्ष मनमोहन, कार्यालय मंत्री ओम प्रकाश नामदेव, सह श्रीमती मालती वर्मा, सोशल मीडिया प्रभारी श्रीमती मीनू तिवारी एवं सह-प्रभारी श्रीमती प्रतिमा तथा मीडिया प्रभारी हिमांशु पासी एवं सह-प्रभारी अजय नामदेव को भी जिम्मेदारी सौंपी गई। कुल 38 सदस्यों वाली इस कार्यकारिणी में प्रत्येक बूथ के कार्यकर्ता एवं पूर्व पदाधिकारी भी शामिल हैं। कार्यकारिणी घोषणा के बाद कार्यकर्ताओं में हर्ष और उत्साह का वातावरण व्याप्त है। नवनियुक्त सभी पदाधिकारियों को कार्यकर्ताओं ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उपरोक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह द्वारा दी गई।

पीएम जनमन आवास तथा आवास प्लस के निर्माण कार्यों की पूर्णता पर करें कार्य-सीईओ जिपं

आधार अपडेशन तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण के जिपं सीईओ ने दिए निर्देश

अनूपपुर। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण जनमन तथा आवास प्लस योजना के अंतर्गत स्वीकृत हितग्राही आवासों के निर्माण कार्य की समीक्षा बैठक में तृतीय किस्त प्राप्त हितग्राही के आवास निर्माण कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश दिए हैं। जिला पंचायत सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में पंचायत समन्वय अधिकारियों को निर्देश देते हुए जिपं सीईओ ने कहा कि पीएम जनमन आवास के जिन हितग्राहियों को तृतीय किस्त जारी कर दी गई है उनके आवासों की पूर्णता शीघ्र अति शीघ्र पूर्ण कराए। समीक्षा बैठक में जिला पंचायत के परियोजना अधिकारी आवास डॉ उमेश द्विवेदी जनपद पंचायतो के आवास समन्वयक तथा पंचायत समन्वय अधिकारी उपस्थित थे। जिला पंचायत सीईओ ने पीएम जनमन तथा आवास प्लस योजना के हितग्राहीवार कार्यों की समीक्षा करते हुए पंचायत समन्वय अधिकारियों को आवास निर्माण का लक्ष्य प्रदान करते हुए आगामी 15 दिवस में पूर्णता के लक्ष्य के पूर्ति के निर्देश दिए हैं। उन्होंने आवास हितग्राही जिनके आधार का अपडेशन न होने के कारण किस्त की राशि रुकी हुई है ऐसे सभी हितग्राहियों का पंचायत समन्वय अधिकारी, ग्राम पंचायत के सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक से समन्वय करते हुए आधार अपडेशन की कार्यवाही कराए जाने के निर्देश दिए हैं। बैठक में सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए जिला पंचायत सीईओ ने पंचायत समन्वय अधिकारियों को लंबित शिकायतों का संतुष्टि पूर्वक निराकरण कराने के निर्देश दिए।

कलेक्ट्रेट परिसर अनूपपुर के लिए डीएम ने जारी किए प्रतिबंधात्मक

अनूपपुर। कार्यालय कलेक्टर अनूपपुर में जुलूस, आमसभा, नारेबाजी एवं ध्वनि विस्तारक यंत्र के आए दिन उपयोग से कार्यालयीन एवं न्यायालयीन कार्य प्रभावित होता है एवं परिशांति भंग होने की संभावना बनी रहती है। जिसे दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट हर्षल पंचोली ने भारतीय न्याय संहिता की धारा-163 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार कलेक्टर कार्यालय अनूपपुर के परिसर में ध्वनि विस्तारक यंत्र पर रोक लगाने हेतु प्रतिबंधात्मक क्षेत्र घोषित किया गया है। कोई भी राजनीतिक दल, सामाजिक संगठन अथवा कोई भी आंदोलनकारी व्यक्ति इस परिसर में प्रतिबंधित रहेंगे। ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग उक्त परिसर एवं उससे लगे हुए 100 मीटर की परिधि में प्रतिबंधित किया गया है। ज्ञापन सौपे जाने के लिए कलेक्टर कार्यालय परिसर के मुख्य द्वार (मेनगेट) पर ही शांतिपूर्ण ढंग से कानून व्यवस्था बनाए रखते हुए व्यक्ति संगठन कार्यकर्ताओं द्वारा अधिकृत अधिकारी को ज्ञापन सौंपा जाएगा। कोई भी दल संगठन आंदोलनकारी व्यक्ति, जुलूस आमसभा या नारेबाजी ज्ञापन आदि सौंपे जाने से 3 दिवस पूर्व अनुविभागीय अधिकारी अनूपपुर से विधिवत लिखित में अनुमति प्राप्त करेंगे और निर्धारित स्थल पर ही उक्त गतिविधियां करेंगे। प्रतिबंधात्मक आदेश में उल्लेखित किया गया है कि आदेश का उल्लंघन किए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा-223 के अंतर्गत अभियोजन की कार्यवाही की जाएगी। यह आदेश 2 माह तक की अवधि के लिए प्रभावशील होगा।

खबर संक्षेप

किशन का सुयशः सीए इंटर पास कर बढ़ाया अमलाई का मान

अमलाई। नगर परिषद अमलाई के वार्ड क्रमांक 5 आमाटोला निवासी छात्र किशन सोनी ने सीए इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 में सफलता प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। किशन दिल्ली में रहकर अपनी पढ़ाई कर रहे थे और कड़ी मेहनत के बाद उन्होंने यह सफलता हासिल की।जानकारी के अनुसार अब किशन अगले दो वर्षों तक सीए के अंतर्गत प्रशिक्षण (आर्टिकलशिप) प्राप्त करेंगे, जिसके बाद वह सीए फाइनल परीक्षा में शामिल होंगे। किशन की इस उपलब्धि से उनके परिवार, इष्ट मित्रों और क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। सभी लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है और उम्मीद जताई है कि किशन आगे भी कड़ी मेहनत कर सीए फाइनल परीक्षा में भी सफलता प्राप्त करेंगे। विदित हो कि किशन सोनी क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यवसायी राकेश सोनी के सुपुत्र हैं।

चिल्लर छुट्टे पैसे का किया गया वितरण

कोतमा। आदर्श किराना व्यापारी संघ के द्वारा कोतमा बाजार में सभी सब्जी विक्रेताओं, हाथ ठेला संचालकों, दुकानदारों तथा किराना दुकानों को सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से चिल्लर छुट्टे पैसे का वितरण किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य बाजार में लेन-देन को सुगम बनाना तथा व्यापारियों और ग्राहकों को होने वाली चिल्लर की समस्या से राहत दिलाना है। आदर्श किराना व्यापारी संघ कोतमा द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के कार्य कर बाजार व्यवस्था को बेहतर बनाने का प्रयास किया जाता रहेगा।

आवारा मवेशियों को पकड़ कर भेजा गया कांजी हाउस

कटनी। नगर में सड़कों पर स्वतंत्र रूप से विचरण करने वाले आवारा/घुमंतू मवेशियों पर नियंत्रण लगाने के लिए नगर निगम की हांका टीम सक्रियता से कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में रविवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों स्टेशन रोड मुख्य मार्ग, संत कंवरराम वार्ड सहित माधव नगर के विभिन्न स्थलों व राम जानकी हनुमान वार्ड में अभियान चलाकर 7 घुमंतू मवेशियों को पकड़ा गया। पकड़े गए मवेशियों को वाहन के माध्यम से सुरक्षित पकड़कर नियमानुसार अमीरगंज स्थित कांजी हाउस भेजने की कार्यवाही की गई।

शिक्षकों ने उठाए सेवा नियमों में बदलाव पर सवाल, 13 मार्च को शहडोल सहित पूरे प्रदेश में मुख्यमंत्री के नाम सौंपा जाएगा ज्ञापन

27 साल की सेवा के बाद 'फिर परीक्षा' का आदेश!

TET अनिवार्यता से प्रदेश के शिक्षकों में उबाल

शहडोल। मध्यप्रदेश में वर्षों से सेवा दे रहे हजारों शिक्षकों पर अचानक TET (शिक्षक पात्रता परीक्षा) अनिवार्य किए जाने के आदेश को लेकर प्रदेशभर में असंतोष की लहर फैल गई है। शिक्षा विभाग के इस निर्णय को लेकर शिक्षक संगठनों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे सेवा नियमों के विपरीत बताया है।

इसी मुद्दे को लेकर 13 मार्च को शहडोल सहित पूरे मध्यप्रदेश के जिला मुख्यालयों में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर विरोध दर्ज कराया जाएगा। शासकीय शिक्षक संगठन का कहना है कि प्रदेश में बड़ी संख्या में शिक्षक 20 से 27 वर्षों से लगातार सेवा दे रहे हैं, लेकिन हाल ही में जारी आदेश के अनुसार आगे सेवा जारी रखने के लिए उन्हें TET परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य बताया जा रहा है। संगठन के अनुसार यह निर्णय उन शिक्षकों के लिए चिंता का विषय बन गया है जिन्होंने वर्षों से शिक्षा व्यवस्था को संभाल रखा है।

शिक्षक संगठन के अनुसार मध्यप्रदेश के अध्यापक, माध्यमिक शिक्षक तथा प्राथमिक शिक्षक मूल रूप से शिक्षाकर्मी एवं संविदा शिक्षक के रूप में नियुक्त हुए थे, जिनकी भर्ती शिक्षाकर्मी भर्ती अधिनियम 1997, 1998 तथा अध्यापक भर्ती अधिनियम 2008 के तहत की गई थी। इसके बाद राज्य शिक्षा सेवा संवर्ग (भर्ती एवं सेवा शर्तें) नियम 2018 लागू हुए, लेकिन इनमें कहीं भी TET को सेवा की अनिवार्य शर्त के रूप में शामिल नहीं किया गया।

शिक्षक नेताओं का कहना है कि सर्वोच्च न्यायालय के सिविल अपील क्रमांक 2634/2013 के निर्णय में भी यह स्पष्ट किया गया है कि किसी कर्मचारी की नियुक्ति के बाद उसकी सेवा शर्तों में परिवर्तन नहीं किया जा सकता। ऐसे में वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों पर नई परीक्षा की अनिवार्यता थोपना न्यायसंगत नहीं माना जा सकता। शासकीय शिक्षक संगठन के पदाधिकारियों संजीव त्रिपाठी, श्याम नारायण पाठक, विजय कृष्ण मिश्रा, रविंद्र शर्मा और सुरेंद्र सिंह परिहार अमित तिवारी शेषमणी सिंह परिहार शारदा सिंह ओम प्रकाश शर्मा एवम जिले के सभी शिक्षक ने मांग की है कि संचालक लोक शिक्षण द्वारा जारी इस आदेश को तत्काल वापस लिया जाए और राज्य सरकार शिक्षकों के हित में इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर करे।

13 मार्च को प्रदेशभर में ज्ञापन

शिक्षक संगठन के अनुसार 13 मार्च को मध्यप्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में शिक्षकों द्वारा एकत्रित होकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। यदि सरकार द्वारा इस आदेश पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप देने की चेतावनी भी दी गई है।

क्या है विवाद का कारण

संचालक लोक शिक्षण भोपाल द्वारा TET परीक्षा अनिवार्य किए जाने का आदेश। वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों पर भी नई शर्त लागू होने का दावा।
शिक्षक संगठनों का आरोप पूर्व सेवा नियमों में ऐसा कोई प्रावधान नहीं था।

चचाई पुलिस के संरक्षण में अमलाई में दौड़ रही "घोड़ी", जुआरियों की लग रही भीड़

अमलाई। जिला मुख्यालय से लगभग 18 किलोमीटर दूर चचाई थाना क्षेत्र के अंतर्गत अमलाई, बसंतपुर और शनिचरी बाजार इलाके में पिछले एक महीने से जुए का अवैध खेल "घोड़ी" धड़ल्ले से चलने की चर्चा है। बताया जा रहा है कि इस खेल में खिलाने वाले मालामाल हो रहे हैं, जबकि खेलने वाले लोग आर्थिक रूप से बर्बाद हो रहे हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार यह क्षेत्र लंबे समय से ही जुए के लिए चर्चित रहा है। आरोप है कि क्षेत्र के कुछ चर्चित लोग—लवली, चतुर, अमलाई के मामा और हरि—मिलकर पुलिस और राजनीतिक संरक्षण में इस अवैध खेल का संचालन कर रहे हैं।सूत्रों का कहना है कि चचाई पुलिस की गश्त रोजाना क्षेत्र के चौराहों तक तो पहुंचती है, लेकिन बसंतपुर और शनिचरी बाजार दफाई की ओर जाने से परहेज किया जाता है। बताया जाता है कि पूरे संचालन का जिम्मा मामा और लवली ने संभाल रखा है।जानकारी के अनुसार अनूपपुर, जैतहरी, धनपुरी, बुढार, चचाई, सकोल, देवहरा, सिंहपुर और शहडोल सहित कई स्थानों से जुआरी यहां पहुंचकर किस्मत आजमा रहे हैं। बीते दिनों कांग्रेस के एक युवा नेता ने सोशल मीडिया के माध्यम से इस अवैध गतिविधि का विरोध भी जताया था, लेकिन सामाजिक बुराई के इस मुद्दे पर सत्ता और विपक्ष दोनों के कुछ नेताओं की चुप्पी चर्चा का विषय बनी हुई है। जुए के साथ-साथ सट्टा, अवैध शराब और कबाड़ का अवैध कारोबार भी खुलेआम चल रहा है। इस विषय पर चचाई थाना प्रभारी को जानकारी ही नही जबकि इन क्षेत्रों में लंबे समय से जुआरियों का जमघट लग रहा है।

स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श शिविर 11 मार्च को

कटनी। नगर निगम के अधिकारी एवं कर्मचारियों सहित अग्रिम पंक्ति के सफाई मित्रों की सेहत का ध्यान रखते हुए निगम प्रशासन द्वारा बुधवार 11 मार्च 2026 को प्रातः 11 बजे से नगर निगम के मेयर इन काउंसिल सभाकक्ष में विशाल स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया जाएगा। निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने स्वास्थ्य शिविर आयोजन की समस्त आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण कराने के निर्देश निगम अधिकारियों को दिए है। स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी ने बताया कि शिविर में जिला चिकित्सालय के मेडिकल विशेषज्ञ, सर्जिकल विशेषज्ञ, अस्थि रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ द्वारा नगर निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का निःशुल्क सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा तथा आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं दवाइयां भी प्रदान किया जाएगा। इस दौरान रक्तचाप, शुगर सहित अन्य आवश्यक स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध रहेगी। शिविर का उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा समय पर स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा प्रदान करना है। सभी अधिकारी-कर्मचारियों से शिविर में उपस्थित लाभ लेने की अपील की गई है।

धरे गए 8 जुआरी

कटनी। कुठला पुलिस ने सत्संग नगर में चल रहे जुआ फड़ पर छापा मारा। पुलिस ने मौके से 08 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें रवि निषाद, अभिषेक दाहिया, पिंकू निषाद, गोपाल उर्फ विजय, राजा उर्फ दुर्गा, दयाशंकर, सुनील केवट और संतोष चौधरी शामिल हैं। जुआरियों से 3990/- रुपये बरामद किया गया हैं।

पूर्व कलेक्टर कुमरे के साथ मना रंगों का जश्न

रेड क्रॉस अध्यक्ष और पूर्व कलेक्टर कुमरे ने पेंशनर्स को दी होली की बधाई

पेंशनर्स की महफिल में लाल हुआ शहडोल
मैहर में 17 मार्च को होने वाले प्रांतीय सम्मेलन का भी बजा डंका

शहडोल। जब तजुर्बे और रसूख का मिलन रंगों के त्योहार से होता है, तो नजारा वाकई ऐतिहासिक हो जाता है। शनिवार को शहडोल में वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन के होली मिलन समारोह में कुछ ऐसा ही नजारा दिखा। कार्यकारी संभागीय अध्यक्ष लोकेंद्र प्रसाद तिवारी के निवास पर आयोजित इस महफिल में जब भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी (मप्र) के अध्यक्ष और उमरिया के पूर्व कलेक्टर एस.एस. कुमरे पहुंचे, तो फिजाओं में उत्साह का रंग और भी गाढ़ा हो गया।

कुमरे का आत्मीय स्वागत और पुरानी यादें

पूर्व कलेक्टर कुमरे ने अपने व्यस्त प्रवास के बीच समय निकालकर पेंशनर्स के साथ होली मनाई। एसोसिएशन के धुरंधरों—रामनरेश तिवारी, रविकरण त्रिपाठी और जिला अध्यक्ष आर.एल. तिवारी ने उन्हें गुलाल लगाकर और माल्यार्पण कर सम्मानित किया। वहीं, आर.एस. गौतम और संजय श्रीवास्तव ने गुलदस्ता भेंट कर अधिकारी और संगठन के बीच की उस मजबूत कड़ी को रेखांकित किया, जो रिटायरमेंट के बाद भी बरकरार है। श्री कुमरे ने सभी वरिष्ठ जनों के साथ जलपान किया और उन्हें स्वस्थ रहने की शुभकामनाएं देते हुए विदा ली।

शेरो-शायरी और गुलाल की मस्ती

होली का हुड़दंग हो और शायरी न हो, ऐसा मुमकिन नहीं। बैठक में मौजूद के.पी. महेंद्रा, एच.व्ही. नगाइच और महेश श्रीवास्तव जैसे वरिष्ठ सदस्यों ने अपनी धारदार कविताओं और शेरो-शायरी से समां बांध दिया। उम्र का पड़ाव भले ही 60 पार हो, लेकिन गुलाल उड़ाते हुए इन बुजुर्गों का जोश किसी युवा से कम नहीं था।

17 मार्च को होगा शक्ति प्रदर्शन

मस्ती के बीच रणनीतिक चर्चा भी हुई। जिला अध्यक्ष आर.एल. तिवारी ने बताया कि प्रांताध्यक्ष राजकुमार दुबे ने फोन पर निर्देशित किया है कि 17 मार्च को मैहर में होने वाले प्रांतीय सम्मेलन में शहडोल से 20 वरिष्ठ पदाधिकारियों का जत्था अपनी मांगों और आवाज को बुलंद करने पहुंचेगा।

इन दिग्गजों ने बढ़ाई शोभा

समारोह में गोपीनाथ सिंह, राममिलन शर्मा, एस.पी. दुबे, अरुण पांडेय, बिनोद सिंह, श्रीमती आशा श्रीवास्तव और विजय कुमार जैन सहित बड़ी संख्या में पेंशनर साथी मौजूद रहे। अंत में लोकेंद्र प्रसाद तिवारी ने आभार व्यक्त करते हुए इस मिलन को एसोसिएशन की एकजुटता का प्रतीक बताया।

महानगरों जैसी सुविधाओं से सजेगी कॉलोनी, शहडोल में आधुनिक आवासीय संस्कृति को मिलेगा बढ़ावा

निरवाना लाइफ स्पेस प्रीमियम प्रोजेक्ट का भूमिपूजन

शहडोल। तेजी से विकसित हो रहे शहडोल शहर में आधुनिक और योजनाबद्ध आवासीय परियोजनाओं की बढ़ती आवश्यकता के बीच प्रीमियम हाउसिंग प्रोजेक्ट "निरवाना लाइफस्पेस" का विधि-विधान से भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर शहर के कई गणमान्य नागरिक, समाजसेवी और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

सभी ने इस परियोजना की शुरुआत को शहर के विकास की दिशा में एक सकारात्मक और महत्वपूर्ण कदम बताया।डेवलपर्स के अनुसार निरवाना लाइफस्पेस को अत्याधुनिक डिजाइन, उच्च गुणवत्ता वाले निर्माण और आधुनिक सुविधाओं के साथ विकसित किया जा रहा है, ताकि शहरवासियों को अपने ही शहर में महानगरों जैसी आवासीय सुविधाएं मिल सकें। परियोजना का उद्देश्य लोगों को ऐसा आवासीय विकल्प उपलब्ध कराना है, जहां वे सुरक्षित, शांत और प्राकृतिक वातावरण के बीच अपने परिवार के साथ बेहतर जीवन जी सकें।परियोजना को एक संपूर्ण रेसिडेंशियल कम्युनिटी के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां निवासियों के लिए क्लब हाउस, स्विमिंग पूल, आधुनिक जिम, कम्युनिटी हॉल, पिकल बॉल और बैडमिंटन कोर्ट, आकर्षक गार्डन, जॉगिंग ट्रैक तथा बच्चों के लिए सुरक्षित किड्स प्ले एरिया जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इन सुविधाओं का उद्देश्य यहां रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य, मनोरंजन और सामाजिक गतिविधियों के लिए बेहतर वातावरण प्रदान करना है। बच्चों के लिए बनाए जाने वाले किड्स प्ले एरिया में झूले, स्लाइड और अन्य मनोरंजक उपकरण लगाए जाएंगे, जबकि युवाओं और फिटनेस के प्रति जागरूक लोगों के लिए जिम और खेल सुविधाओं की व्यवस्था भी की जाएगी।कॉलोनी के विकास में सुरक्षा और सुव्यवस्थित जीवनशैली पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। परियोजना के अंतर्गत चौड़ी सड़कों, पर्याप्त पार्किंग, बेहतर ड्रेनेज सिस्टम, हरियाली और नियंत्रित प्रवेश द्वार जैसी व्यवस्थाएं विकसित की जाएंगी। डेवलपर्स का कहना है कि यह परियोजना केवल मकानों का समूह नहीं होगी, बल्कि एक ऐसी कम्युनिटी होगी जहां लोग अपने परिवार के साथ आरामदायक और सुरक्षित जीवन का अनुभव कर सकेंगे। परियोजना से जुड़े सूत्रों के अनुसार कॉलोनी के विकास के लिए टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग से स्वीकृत लेआउट प्राप्त किया गया है तथा संबंधित विभागों से आवश्यक अनुमतियों की प्रक्रिया भी पूरी की जा रही है। परियोजना में पारदर्शिता और नियमों के पालन को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे निवेशकों और खरीदारों का भरोसा मजबूत हो सके।निरवाना लाइफस्पेस परियोजना में पर्यावरण संतुलन को भी विशेष महत्व दिया गया है। कॉलोनी के भीतर हरियाली, पार्क और खुले स्थानों की पर्याप्त व्यवस्था की जा रही है, जिससे निवासियों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण मिल सके। परियोजना का डिजाइन इस प्रकार तैयार किया गया है कि यहां रहने वाले लोग शहरी सुविधाओं के साथ प्रकृति के करीब भी रह सकें।8 मार्च महिला दिवस के अवसर पर आयोजित ग्रैंड ओपनिंग कार्यक्रम के दौरान एक विशेष सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर जैन टेंट परिवार, आहूजा परिवार और बुधवानी परिवार को निरवाना परिवार की ओर से विशेष उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान इन परिवारों की खुशी और उत्साह देखने लायक था। निरवाना परिवार ने बताया कि प्रोजेक्ट से जुड़े अन्य कई परिवारों ने भी बुकिंग की है और उनके लिए भी आगे विशेष सरप्राइज उपहार की घोषणा की जाएगी।

आयोजकों के अनुसार यह परियोजना शहडोल में आधुनिक और योजनाबद्ध आवासीय संस्कृति को बढ़ावा देगी। शहर के जानकारों का मानना है कि इस तरह की प्रीमियम कॉलोनियां न केवल शहरवासियों को बेहतर आवासीय विकल्प प्रदान करेंगी, बल्कि शहडोल के रियल एस्टेट सेक्टर को भी नई पहचान देंगी। आने वाले समय में यह परियोजना शहर के विकास और आधुनिक शहरी जीवनशैली को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

विश्वविद्यालय की नई वेबसाइट लॉन्च

कुलगुरु ने छात्रों की प्रतिभा से दिया आउटसोर्सिंग को करारा जवाब

शहडोल। पंडित शम्भूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय अब केवल किताबी ज्ञान का केंद्र नहीं, बल्कि तकनीकी नवाचार का पावरहाउस बन गया है। कुलगुरु प्रो. रामशंकर के कुशल मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय ने अपनी नई और आधुनिक वेबसाइट का औपचारिक विमोचन कर डिजिटल इंडिया के संकल्प को धरातल पर उतार दिया है। सबसे बड़ी और चौंकाने वाली बात यह है कि इस वेबसाइट के लिए किसी बाहरी कंपनी को लाखों का ठेका देने के बजाय, विश्वविद्यालय ने अपनी ही प्रतिभाओं पर भरोसा जताया।

विद्यार्थियों की तकनीकी दक्षता पर मुहर

कुलगुरु प्रो. रामशंकर की स्पष्ट मंशा थी कि विश्वविद्यालय आत्मनिर्भर बने। इसी सोच के साथ कंप्यूटर साइंस विभाग के छात्र अनुकल्प और डॉ. मनीष तारम ने मिलकर इस जटिल डिजिटल ढांचे को डिजाइन किया। लोकार्पण के अवसर पर कुलगुरु ने कहा कि यह वेबसाइट विद्यार्थियों के कौशल विकास और आत्मविश्वास का जीता-जागता प्रमाण है। उन्होंने साफ किया कि विश्वविद्यालय का लक्ष्य केवल डिग्री बांटना नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के लिए तकनीकी रूप से सक्षम युवा तैयार करना है। विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद पांडेय ने बताया कि नई वेबसाइट सूचनाओं का अंबार नहीं, बल्कि पारदर्शिता का आईना है। इसमें शैक्षणिक गतिविधियों, प्रवेश प्रक्रिया, परीक्षा परिणाम और शोध कार्यों को इतना सुव्यवस्थित किया गया है कि छात्रों और शोधार्थियों को अब दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे।

आउटसोर्सिंग के दौर में इन-हाउस प्रहार

कुलगुरु ने अपने संबोधन में एक बड़ा संदेश दिया, जब हमारे अपने पास हुनर है, तो हम बाहर क्यों झांकें? उन्होंने इसे प्रशासनिक पारदर्शिता और नवाचार की दिशा में मील का पत्थर बताया। कार्यक्रम के अंत में कुलसचिव डॉ. आशीष तिवारी ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर आभार व्यक्त किया, जबकि संचालन डॉ. मनीषा तिवारी ने अपनी विशिष्ट शैली में किया।

अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई में श्रम योगी मानधन योजना का पंजीयन शिविर सम्पन्न

चचाई। भारत सरकार द्वारा लागू की गई प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना असंगठित क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों के लिए एक महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा योजना है। रिक्शा चालक, रेहड़ी-पटरी विक्रेता, घरेलू कामगार, निर्माण श्रमिक, कृषि श्रमिक, कूड़ा बीनने वाले, मोची, दर्जी, धोबी, नाई सहित अन्य असंगठित क्षेत्र के श्रमिक इस योजना में पंजीयन कराकर लाभ प्राप्त कर सकते हैं। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए पंजीयन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत आज अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई तथा जनपद पंचायत जैतहरी के ग्राम पंचायत फुनगा, केल्हौरी, अमगवां में शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 23 श्रमिकों के आवेदन प्राप्त हुए। चचाई में आयोजित शिविर में जिला श्रम पदाधिकारी अनुव्रत देव द्विवेदी, अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई के अधिकारी दिनेश पटेल सहित श्रमिकजन उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

एसईसीएल जमुना-कोतमा क्षेत्र में बरतराई भूमिगत खदान में लो-हाइट कंटीन्यूस माइनर का भव्य शुभारंभ'

राजनगर। 10 मार्च को एसईसीएल जमुना-कोतमा क्षेत्र के आमाडांड भूमिगत उपक्षेत्र की बरतराई भूमिगत खदान में आधुनिक तकनीक से युक्त लो-हाइट कंटीन्यूस माइनर मशीन का शुभारंभ किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के मुख्य अतिथिएन फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक तकनीकी (संचालन) एसईसीएल के कर-कमलों से मशीन का उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि जयकुमार ने अपने संबोधन में कहा कि आधुनिक तकनीकों के उपयोग से न केवल कोयला उत्पादन में वृद्धि होगी बल्कि खनन कार्य अधिक सुरक्षित और कुशल भी बनेगा। उन्होंने कहा कि लो-हाइट कंटीन्यूस माइनर विशेष रूप से कम ऊँचाई वाली कोयला परतों में प्रभावी एवं सुरक्षित खनन के लिए अत्यंत उपयोगी तकनीक है। इस अवसर पर प्रभारी क्षेत्रीय महाप्रबंधक, अजय कुमार, दीपेन्दु सामंता ईडी टीएमसी तथा क्षेत्रीय संयुक्त सलाहकार समिति के सदस्यगण, क्षेत्रीय कल्याण समिति के सदस्यगण, क्षेत्रीय सुरक्षा समिति के सदस्यगण सिस्टा, एसटी/एससी ओबीसी काउंसिल, ओबीसी वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्यगण व बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बरतराई भूमिगत खदान में इस मशीन के शुरू होने से जमुना-कोतमा क्षेत्र के उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा और देश की ऊर्जा पूर्ति में भी सहयोग रहेगा। साथ ही यह पहल कोल इंडिया की आधुनिक, सुरक्षित और उच्च उत्पादकता वाली खनन तकनीकों को अपनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

रेलवे मजदूर कांग्रेस ने विश्व महिला दिवस पर सम्मान समारोह किया आयोजित

अनूपपुर। विश्व महिला दिवस 08 मार्च के अवसर पर रेलवे मजदूर कांग्रेस शाखा अनूपपुर शिवम रेलवे महिला समिति अनूपपुर के तत्वावधान में मजदूर कांग्रेस शाखा अनूपपुर कार्यालय में महिला दिवस पर महिला सम्मान व रंग पंचमी कार्यक्रम किया गया, मजदूर कांग्रेस शाखा अनूपपुर के शाखा सचिव जयंतो दास गुप्ता ने बताया कि रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के जोनल महामंत्री पीतांबर लक्ष्मीनारायण व मंडल समन्वयक विजय अग्निहोत्री के निर्देशानुसार मजदूर कांग्रेस शाखा अनूपपुर ने महिला दिवस व रंगपंचमी कार्यक्रम किया गया। महिला दिवस व रंगपंचमी कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती प्रभा श्रीवास्तव ने महिला शब्द ही शक्ति का रुप है आज महिलाएं हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही है। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि श्रीमती गायत्री रैकवार ने महिलाओं को अपने अधिकारों की जानकारी रखना चाहिए, महिला दिवस व रंगपंचमी की इस गरिमामय कार्यक्रम करने लिए मजदूर कांग्रेस का हम महिलाओं की ओर से अभिनंदन व धन्यवाद ज्ञापित करते है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मजदूर कांग्रेस के जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव ने मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के जोनल महामंत्री पीतांबर लक्ष्मी नारायण के निर्देश पर महिला दिवस पर यह कार्यक्रम किया गया, मजदूर कांग्रेस बिलासपुर अपने प्रत्येक शाखा में एक महिला पदाधिकारी रखने का निर्णय लिया गया है, रेलवे महिला कर्मचारियों के कार्यस्थल सम्मान व कार्यलय परिसर में संपूर्ण सुविधा उपलब्ध कराने में मजदूर कांग्रेस प्रयासरत है। रेलवे मजदूर कांग्रेस ने महिला दिवस में उपस्थित सभी महिलाओं का सम्मान कर उपहार भेंट किया गया, कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाओं व अन्य अतिथियों का शाखा कोषाध्यक्ष सदाशिव पाण्डेय ने आभार व्यक्त किया।

कलश यात्रा रथ में सवार राधे कृष्ण की शोभा यात्रा,

बदरा/जमुना। बदरा सकोला नेशनल हाईवे रोड बदरा में भागवत कथा प्रारंभ हो रही है रथ यात्रा में आसपास के क्षेत्र के लोग एकत्रित होकर पूरे क्षेत्र में कलश यात्रा के साथ भजन कीर्तन करते हुए भव्य रूप के साथ शुरू हुई। मंगलवार को आयोजित इस भागवत कथा में श्री राजू जी महाराज और राधा निकुंज सरई पटेरा लोरमी के मुख वचन से कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन बसंत लाल साहू के यहां किया जा रहा है। कार्यक्रम 10 मार्च से 17 मार्च तक कथा का समय 3:00 बजे से हरि इच्छा तक होने जा रही हैं।

उमरगोहान में पढ़ाई के लिए पहाड़ों पर चढ़ रहे छात्र

पर्यटन ग्राम का दर्जा, लेकिन नेटवर्क गायब

डिजिटल इंडिया के दौर में भी मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ ब्लॉक का पर्यटन ग्राम उमरगोहान मोबाइल नेटवर्क जैसी बुनियादी सुविधा से वंचित है। हैरानी की बात यह है कि इस गांव को मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम द्वारा पर्यटन ग्राम के रूप में प्रचारित किया गया है, फिर भी यहां डिजिटल सुविधाओं का भारी अभाव बना हुआ है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

मध्यप्रदेश सरकार जहां एक ओर पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए गांवों को पर्यटन ग्राम के रूप में विकसित करने का दावा करती है, वहीं अनूपपुर जिले का उमरगोहान गांव इन दावों की हकीकत को उजागर करता नजर आता है। प्राकृतिक सुंदरता और घने जंगलों के बीच बसे इस गांव को एमपी टूरिज्म द्वारा पर्यटन ग्राम घोषित कर प्रचारित किया गया, लेकिन यहां आज तक मोबाइल नेटवर्क जैसी बुनियादी सुविधा उपलब्ध नहीं हो सकी है। गांव में नेटवर्क की समस्या इतनी गंभीर है कि छात्रों को पढ़ाई के लिए जंगलों और पहाड़ियों में जाकर नेटवर्क तलाशना पड़ता है। ऑनलाइन पढ़ाई, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और शैक्षणिक सामग्री डाउनलोड करने के लिए उन्हें कई किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। कई बार घंटों इंतजार के बाद भी मुश्किल से नेटवर्क मिल पाता है। ग्रामीणों का कहना है कि जब सरकार इस गांव को पर्यटन के नक्शे पर लाने का प्रयास कर रही है, तो यहां रहने वाले लोगों को कम से कम बुनियादी डिजिटल सुविधाएं तो मिलनी ही चाहिए।

पढ़ाई के लिए जंगल और पहाड़ों का सहारा

उमरगोहान के छात्र-छात्राएं इंटरनेट के अभाव में पढ़ाई के लिए जंगल और पहाड़ों की ओर जाते हैं। यहां मोबाइल सिग्नल मिलने की उम्मीद में वे घंटों तक मोबाइल लेकर बैठे रहते हैं। कई बार नेटवर्क न मिलने के कारण उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ता है। इससे उनकी पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर सीधा असर पड़ रहा है।

जंगली जानवरों का भी बना रहता है खतरा

जंगल और पहाड़ी क्षेत्रों में नेटवर्क तलाशने जाना छात्रों के लिए जोखिम भरा भी है। इन इलाकों में जंगली जानवरों का खतरा हमेशा बना रहता है। कई बार बच्चों की सुरक्षा के लिए उनके परिजन भी साथ जाते हैं और पहरा देते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पढ़ाई के लिए इस तरह की परिस्थितियों का सामना करना बच्चों के भविष्य के साथ अन्याय है।

ऑनलाइन योजनाओं का लाभ लेने में भी परेशानी

नेटवर्क की कमी के कारण ग्रामीणों को शासन की कई ऑनलाइन योजनाओं का लाभ लेने में कठिनाई होती है। आधार से जुड़े कार्य, बैंकिंग सेवाएं, छात्रवृत्ति आवेदन और अन्य सरकारी प्रक्रियाएं इंटरनेट के बिना संभव नहीं हो पातीं। ऐसे में लोगों को छोटे-छोटे कामों के लिए भी कई किलोमीटर दूर जाना पड़ता है।

पर्यटन ग्राम होने के बावजूद< सुविधाओं का अभाव

एमपी टूरिज्म द्वारा इस गांव को पर्यटन ग्राम के रूप में विकसित करने और प्रचारित करने के बावजूद यहां बुनियादी सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। पर्यटक यहां की प्राकृतिक सुंदरता देखने आते हैं, लेकिन स्थानीय लोगों को आज भी नेटवर्क जैसी मूलभूत सुविधा नहीं मिल पाई है। इससे पर्यटन के विकास पर भी असर पड़ रहा है।

ग्रामीणों की मांग लगाया जाए मोबाइल टावर

ग्रामीणों ने कई बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को आवेदन देकर गांव में मोबाइल टावर लगाने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जल्द से जल्द नेटवर्क की व्यवस्था नहीं की गई तो छात्रों की पढ़ाई और ग्रामीणों की दैनिक जरूरतें लगातार प्रभावित होती रहेंगी। लोगों की मांग है कि पर्यटन ग्राम उमरगोहान को डिजिटल सुविधाओं से जोड़कर डिजिटल भारत की मुख्यधारा में शामिल किया जाए।

अमरकंटक के हरे-भरे जंगलों में आग की साजिश, पर्यावरण पर मंडरा रहा खतरा

कपिला संगम-जमुना दादर क्षेत्र में 8/10 एकड़ वनभूमि आग की चपेट में

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक के हरे-भरे वन क्षेत्रों में इन दिनों अज्ञात तत्वों द्वारा आग लगाए जाने की घटनाएं चिंता का विषय बनती जा रही हैं। लगातार लग रही आग से अमरकंटक की प्राकृतिक सुंदरता, पर्यावरण तथा जैव विविधता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमरकंटक नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 8 स्थित कपिला संगम-जमुना दादर क्षेत्र के जंगल में मंगलवार प्रातः लगभग 10 बजे अज्ञात लोगों द्वारा आग लगा दी गई। देखते ही देखते आग फैलकर लगभग 8 से 10 एकड़ वनभूमि को अपनी चपेट में ले गई। इस दौरान क्षेत्र में उगे नवोदित पौधे, सूखी झाड़ियां तथा वृक्षों के कुछ हिस्से जलकर नष्ट हो गए। स्थानीय नागरिकों के अनुसार इससे पहले भी दो-तीन दिन पूर्व इसी क्षेत्र के जंगल में आग लगने की घटना सामने आई थी, जिसे बड़ी मुश्किल से बुझाया जा सका था। बार-बार हो रही ऐसी घटनाओं से अमरकंटक की हरी-भरी वादियां प्रभावित हो रही हैं और नगर के पर्यावरण पर भी इसका विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। जंगलों में लगने वाली आग से वातावरण में धुआं फैल रहा है, जिससे प्रदूषण बढ़ने के साथ-साथ क्षेत्र के तापमान में भी वृद्धि देखी जा रही है। बताया जा रहा है कि जिस क्षेत्र में आग लगी, वह भूभाग वन विभाग और स्थानीय नगर परिषद की सीमा से जुड़ा हुआ है। ऐसे में आग बुझाने और रोकथाम को लेकर दोनों विभागों के बीच जिम्मेदारी को लेकर स्पष्टता नहीं दिखाई दी। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते समन्वय के साथ त्वरित कार्रवाई की जाती तो आग को फैलने से रोका जा सकता था। क्षेत्रीय नागरिकों और पर्यावरण प्रेमियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि अमरकंटक के जंगलों में जानबूझकर आग लगाने वाले तत्वों की पहचान कर उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही वन विभाग एवं नगर परिषद की जिम्मेदारी तय करते हुए ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रभावी व्यवस्था बनाई जाए, ताकि पवित्र नगरी अमरकंटक की हरियाली और प्राकृतिक सौंदर्य सुरक्षित रह सके।

60 लाख चोरी कांड में नया मोड़, पीडित ने आईजी को सौंपा शिकायती पत्र

अनूपपुर पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अनूपपुर जिले के कोतमा क्षेत्र के बदरा में हुए चर्चित 60 लाख चोरी कांड में अब नया मोड़ आ गया है। पीड़ति पेट्रोल पंप संचालक संग्राम सिंह ने पूरे मामले को लेकर पुलिस महानिरीक्षक को लिखित शिकायत सौंपते हुए जांच पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि पुलिस ने मुख्य आरोपियों को बचाने और मामले को कमजोर करने का प्रयास किया है। जिले के भालूमाड़ा थाना क्षेत्र के बदरा गांव में 19 जनवरी 2026 की रात लगभग 60 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवर और नगदी की बड़ी चोरी हुई थी। इस मामले में पहले ही पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर कई सवाल उठ चुके थे। अब पीड़ति संग्राम सिंह ने पूरे घटनाक्रम को लेकर पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय शहडोल रेंज में विस्तृत शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत पत्र में उन्होंने आरोप लगाया है कि चोरी की घटना के बाद पुलिस ने सही दिशा में जांच नहीं की और मुख्य आरोपियों को बचाने की कोशिश की गई। पीड़ति का कहना है कि जिन लोगों को उन्होंने चोरी में शामिल बताया था, उन्हें गंभीरता से नहीं पकड़ा गया। वहीं चोरी के जेवरात खरीदने वाले व्यक्ति से भी पूरी बरामदगी नहीं कराई गई। मामले में वायरल हुए ऑडियो और लगातार सामने आ रहे आरोपों ने पुलिस की जांच प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पीड़ति ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत में पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप

पीड़ति संग्राम सिंह ने अपने शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि पुलिस ने शुरू से ही मामले को गंभीरता से नहीं लिया। उन्होंने दावा किया कि चोरी में शामिल कुछ लोगों के नाम और जानकारी उन्होंने स्वयं पुलिस को दी थी, लेकिन इसके बावजूद उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई नहीं की गई। उनका कहना है कि पुलिस की लापरवाही के कारण ही आरोपी लंबे समय तक पकड़ से बाहर रहे है।

चोरी का सामान खरीदने वाले पर भी सवाल

शिकायत के अनुसार चोरी के सोने-चांदी के जेवर अंबिकापुर के एक ज्वेलर्स को बेचे गए थे। पीड़ति का आरोप है कि पुलिस ने इस मामले में पूरी बरामदगी नहीं कराई और कार्रवाई सीमित रखी। उनका कहना है कि यदि पुलिस गंभीरता से जांच करती तो चोरी का बड़ा हिस्सा बरामद किया जा सकता था।

वायरल ऑडियो से बढ़ी थी सियासत

इस पूरे मामले में एक वायरल ऑडियो ने पहले ही पुलिस की मुश्किलें बढ़ा दी थीं। कथित बातचीत में जांच से जुड़े पुलिसकर्मियों पर आरोप लगे थे कि वे कुछ लोगों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। इस ऑडियो के सामने आने के बाद मामले ने और तूल पकड़ लिया और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे है।

मीडिया में खबर आने के बाद बढ़ी हलचल

मामला मीडिया और सोशल मीडिया में आने के बाद पुलिस की गतिविधियां तेज होती नजर आईं। इसके बाद कुछ आरोपियों की गिरफ्तारी और बरामदगी की कार्रवाई सामने आई। हालांकि पीड़ति पक्ष का कहना है कि यह कार्रवाई काफी देर से की गई और कई अहम पहलुओं पर अब भी जांच अधूरी है।

निष्पक्ष जांच की मांग, पुलिस पर उठे बड़े सवाल

पीड़ति संग्राम सिंह ने पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उनका कहना है कि यदि मामले की स्वतंत्र जांच कराई जाए तो कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आ सकते हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने न सिर्फ पुलिस की कार्यप्रणाली बल्कि जिले की कानून व्यवस्था पर भी बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले में आगे क्या कदम उठाता है।

अपर नर्मदा परियोजना के विरोध में आदिवासी हुंकार

सागरटोला में उठी संयुक्त आवाज

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अपर नर्मदा सिंचाई परियोजना शोभापुर के विरोध में आदिवासी समाज की आवाज लगातार बुलंद होती जा रही है। इसी क्रम में 9 मार्च को डिंडोरी जिले के सागरटोला में बड़ी आमसभा आयोजित की गई, जिसमें अनूपपुर और डिंडोरी जिले के ग्रामीण, सामाजिक कार्यकर्ता और आदिवासी समाज के लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में परियोजना को निरस्त करने की मांग उठाते हुए जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए एकजुटता का संदेश दिया गया है। अपर नर्मदा सिंचाई परियोजना शोभापुर को लेकर नर्मदा अंचल में विरोध तेज होता जा रहा है। भारत आदिवासी पार्टी के नेतृत्व में 9 मार्च को डिंडोरी जिले के सागरटोला में विशाल आमसभा आयोजित की गई, जिसमें अनूपपुर और डिंडोरी जिले के सैकड़ों ग्रामीणों और आदिवासी समाज के लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में परियोजना के खिलाफ जोरदार आवाज उठाई गई और इसे आदिवासी क्षेत्रों के लिए खतरा बताया गया। भारत आदिवासी पार्टी के जिला अध्यक्ष ललन सिंह परस्ते ने कहा कि प्रस्तावित परियोजना से हजारों आदिवासी परिवारों के सामने विस्थापन का संकट खड़ा हो सकता है। उनका आरोप है कि इस परियोजना के कारण कई गांव डूब क्षेत्र में आ सकते हैं, जिससे लोगों को अपने घर, जमीन और आजीविका से हाथ धोना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज जल, जंगल और जमीन को अपनी पहचान मानता है और इनके बिना उनका अस्तित्व संकट में पड़ जाएगा। सभा में वक्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना को आगे बढ़ाने में संविधान के महत्वपूर्ण प्रावधानों की अनदेखी की जा रही है। विशेष रूप से अनुसूचित क्षेत्रों में लागू पेसा कानून 1996 और ग्राम सभा की सहमति को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया गया। उनका कहना था कि आदिवासी क्षेत्रों में किसी भी विकास परियोजना को लागू करने से पहले ग्राम सभा की अनुमति अनिवार्य होती है। कार्यक्रम में यह भी चिंता जताई गई कि परियोजना के निर्माण से क्षेत्र के कई धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल भी डूब क्षेत्र में आ सकते हैं, जिससे स्थानीय आस्था और सांस्कृतिक पहचान को नुकसान पहुंचने की आशंका है। आयोजकों ने मांग की कि अपर नर्मदा सिंचाई परियोजना शोभापुर को तत्काल निरस्त किया जाए। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि सरकार ने आदिवासी समाज की मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। सागरटोला की यह आमसभा क्षेत्र में चल रहे आंदोलन का महत्वपूर्ण पड़ाव मानी जा रही है।

पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को ने हरी झंडी दिखाकर किया प्रस्थान

वाहन चालक संघ (ड्राइवर) की पदयात्रा भोपाल के लिए रवाना

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक से मध्य प्रदेश ड्राइवर संघ की पदयात्रा अपनी विभिन्न मांगों को लेकर राजधानी भोपाल के लिए रवाना हो गई। पदयात्रा प्रारंभ होने से पूर्व वाहन चालक संघ के सदस्यों ने पवित्र नर्मदा उद्गम स्थल पहुंचकर पतित पावनी मां नर्मदा की विधिवत पूजा-अर्चना कर यात्रा की सफलता और मंगलमय पूर्णता की कामना की। इसके पश्चात नर्मदा उद्गम परिसर से प्रारंभ हुई पदयात्रा को पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने पदयात्रा में शामिल ड्राइवर साथियों को शुभकामनाएं देते हुए उनकी यात्रा के निर्विघ्न एवं सफलतापूर्वक पूर्ण होने की कामना की। बताया गया कि मध्य प्रदेश ड्राइवर संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य अपनी विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर शासन का ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से यह पदयात्रा कर रहे हैं। लगभग एक सैकड़ा वाहन चालक अपनी मांगों के समर्थन में नारे लगाते हुए अमरकंटक से भोपाल की ओर प्रस्थान किए। संघ के पदाधिकारियों के अनुसार यह पदयात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए अप्रैल माह में राजधानी भोपाल पहुंचेगी। रास्ते में पड़ने वाले विभिन्न शहरों और क्षेत्रों से भी ड्राइवर साथी इस पदयात्रा में शामिल होते जाएंगे। राजधानी भोपाल पहुंचने के पश्चात मध्य प्रदेश ड्राइवर संघ द्वारा अपनी मांगों को लेकर एक विशाल आंदोलन सभा आयोजित करने की भी योजना बनाई गई है, जिसके माध्यम से सरकार का ध्यान वाहन चालकों की समस्याओं की ओर आकर्षित किया जाएगा।

न्यायालय: न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय मनेन्द्रगढ़, जिला-मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.)
प्र.क. 06/2025
पेशी दिनांक 18/03/2026
BO No : 310/26
श्रीमती सुनीता घसिया वगै. विरूद्ध नरेश घसिया
ईश्तहार (समंस)
वादी सुनीता घसिया ने प्रतिवादी नरेश घसिया जाति...निवासी ग्राम वार्ड क्रमांक-10, छोहरी, थाना भालभाडा तह. कोतमा जिला-अनूपपुर (म.प्र.) के विरूद्ध धारा 144.B.N.S.S. के तहत वाद/आवेदन पेश किया है। जिसकी सुनवाई के प्रकरण न्यायालय में लंबित है। समाचार प्रकाशन के माध्यम से यह सूचना प्रकाशित किया जा रहा है कि आप 18/03/26 को समय 11:00 बजे इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना जवाब पेश करें। यदि किसी कारणवश दिनांक 18/03/2026 को अवकाश अथवा पीठासीन न्यायाधीश अवकाश पर रहते हैं, तो अनावेदक/ अनावेदिका / प्रतिवादी आगामी कार्य दिवस पर आवश्यक रूप से उपस्थित रहे। अन्यथा आगामी कार्य दिवस पर प्रकरण में आपके विरूद्ध अग्रिम एकपक्षीय कार्यवाही अग्रसर किया जावेगा।
अतः आज दिनांक 20/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं इस न्यायालय के मुद्रा से जारी किया गया।
स्थान- मनेन्द्रगढ़
दिनांक- 20/02/2026 न्यायाधीश
सील कुटुम्ब न्यायालय मनेन्द्रगढ़ जिला-एम.सी.बी., छ.ग.

न्यायालय : अरविन्द कुमार वरला न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड कोतमा, जिला - अनूपपुर (म.प्र.)
इश्तहार
विकास कुमार वगैर.....आवेदकगण
बनाम
शाखा प्रबंधक वगैरह.....अनावेदकगण
आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम सक्सेशन
प्रकरण क्रमांक - एम. जे. सी. एस.यू. सी. - 17/2025
पेशी दिनांक- 09.04.2026
प्रेषित:- 2- आम जनता
आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक विकास कुमार केवट वगैरह ने मृतक गंगा प्रसाद पिता स्व. सिरजन सॉंय, निवासी ग्राम बाड़ीखार, तहसील कोतमा, जिला अनूपपुर म.प्र. की अनावेदक क्रमांक - 1 शाखा प्रबंधक भारतीय जीवन बीमा निगम, शाखा कोतमा के कार्यालय में जमा संपूर्ण राशि एवं उस पर मिलने वाला ब्याज मय लाभांश को प्राप्त करने के लिए राशि संपत्तिहेतु उत्तराधिकार अथवा अभिभावक - संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए इस न्यायालय में आवेदन किया है, जिसकी सुनवाई दिनांक 09.04.2026 को होना है।
यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक संरक्षक होने संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 09 अप्रैल 2026 को न्यायालय में स्वयं एवं अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहे। सूचना उपरांत यदि अनुपस्थिति रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षी की जाकर प्रकरण को निराकरण किया जावे।
यह आज तारीख 25.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।
(अरविंद कुमार वरला)
व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड
सील कोतमा, जिला अनूपपुर म.प्र.
नोट:- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जावेगा।